28|05|2020

Subject – Computer Science teaching B.Ed. Ist Year

Topic – objectives of Affective Domain

महोदय,

भावात्मक पक्ष के उद्देश्य

क्रेथवाल, ने सन 1964 में इस पक्ष के उद्देश्यों को वर्गीकृत करनें का कठिन कार्य किया। इसके लिए इन्होने 'आन्तरीकरण' के प्रत्यय को आधार बनाया। इसके अन्तर्गत रूचि, अभिरूचि, मूल्य, रसानुभूति तथा सामन्जस्य के विकास के उद्देश्य आते हैं। यह सामान्यत: गणित विषय मे अधिक प्रयुक्त नही होते है,

1. आग्रहण → Receiving :- किसी वस्तु को ग्रहण करने की इच्छा या उद्दीपन के प्रति संवेदनशीलता ही आग्रहण है। इसके निम्न तीन स्तर है –

आग्रहण

- क्रिया के प्रति जागरूकता
- क्रिया को ग्रहण करने की इच्छा
- नियन्त्रित या चयनित योजना

2. अनुक्रिया :- Responding :- उद्दीपन के प्रति सक्रिय अभिव्यक्ति ही अनुक्रिया है।

अनुक्रिया

- अनुक्रिया मे सहमति
- अनुक्रिया की इच्छा
- अनुक्रिया मे सन्तोष

3. अनुमूल्यन - Valuing :- इसके अन्तर्गत बालक का वह व्यवहार आता है, जिसके द्वारा वह किसी वस्तु, तथ्य घटना, व्यवहार की श्रेष्ठता, मूल्यों व गुणों के विषय में स्वयं ही भाव प्रगट करता है।

अनुमूल्यन

- मूल्यों को स्वीकार करना
- मूल्यों को प्राथमिकता देना
- मूल्यों के प्रति निष्ठा या विश्वास उत्पन्न होना,

4. विचार / धारणा :- Conceptualization :- विचारों या धारणाओं के निर्माण का आधार समता या विषमता होता है। हम भी जब उपर्युक्त निर्मित मूल्यों में समता, भिन्नता व सम्बन्ध स्थापित कर धारणाओं का निर्माण करते हैं, उनका यह व्यवहार इस उद्देश्य के अन्तर्गत आता है।

5. व्यवस्था (organisation) :- प्रत्यय निर्माण हेतु चयनित मूल्यों का क्रमबद्ध समायोजन इसके अन्तर्गत आता है। उपर्युक्त चयनित मूल्यों के आधार पर निर्मित विचारों या धारणाओं को क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित कर एक मूल्य संहिता का निर्माण ही व्यवस्थापन है।

6. चरित्रीकरण (characterisation) :- नियन्त्रित मूल्यों, विचारों एवं निष्ठाओं के सन्दर्भ में मानव व्यवहार का विशेषीकरण इसके अन्तर्गत आता है। इसके अन्तर्गत छात्रों का वह व्यवहार आता है, जिसमें वह उपर्युक्त निर्मित मूल्य संहिता के अनुसार स्वयं के व्यवहार को संचालित अपनी जीवन-शैली का निर्माण करता है।

Scanned with CamScanner